

कांसेट नोट
मौलिक रूपांतरकारी नेतृत्व (रैडिकल ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप)
रायपुर, छत्तीसगढ़ 2024

सत्र 1: 18-20 अक्टूबर 2024 (शुक्र-रविवार)

सत्र 2: 14-16 नवंबर 2024 (गुरु-शनिवार)

सत्र 3: 12-14 दिसंबर 2024 (गुरु-शनिवार)

यह सामाजिक परिवर्तन कार्यक्रम हमारे अंदर की पूरी क्षमता और नैतिक नेतृत्व को जागृत करने के लिए बनाया गया है, जो दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि हम अपने जीवन, कार्य और समाज में बदलाव ला सकें, और अपने प्रोजेक्ट्स का नेतृत्व एक संपूर्ण प्रणाली पद्धति और डिज़ाइन सिद्धांतों का उपयोग करके कर सकें। यह आपको अपनी पहुंच और सार्वभौमिक-प्रभाव को बढ़ाने के लिए विभिन्न दृष्टिकोण, ढांचे और उपकरण प्रदान करेगा, जिससे आप एक अग्रणी पहल की रचना कर सकें, जो आपके प्रोजेक्ट्स के नेतृत्व और स्थानीय तथा वैश्विक स्तर पर सार्वभौमिक-प्रभाव डालने के तरीकों को रूपांतरित करेगा। यह कार्यक्रम सार्वजनिक, निजी, और गैर-लाभकारी संगठनों के स्थापित या उभरते लीडरों को परिणाम/कार्रवाई-आधारित सहयोग बनाने और मौलिक बदलाव लाने का अवसर प्रदान करता है।

पृष्ठभूमि

RTLWorks सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सभी के कल्याण के प्रति समर्पित व्यक्तियों और संगठनों के समूह के माध्यम से काम करता है, और यह आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। हर कोई एक मौलिक रूपांतरकारी नेतृत्व लीडर बन सकता है और हमारे समाज, घर या कार्यस्थल में मौजूद चुनौतियों का समाधान करने में योगदान दे सकता है। इसके लिए हमें अपने भीतर की क्षमताओं का स्रोत बनाकर नए परिवर्तन और बदलाव लाने की आवश्यकता है। इसका तात्पर्य यह है कि हम अप्रभावी सांस्कृतिक मानदंडों और प्रणालियों को बदलकर विशिष्ट परिणाम उत्पन्न कर सकते हैं।

आज हम संघर्षों और संकटों का सामना कर रहे हैं, जैसे कोविड-19, जो हमारे अस्तित्व की नींव को हिला देते हैं। भले ही हमें पता है कि अन्याय और गरीबी की समस्याओं को कैसे सुलझाना है, पर्यावरणीय संकट का जवाब देना है, और हमारे पास संसाधन भी हैं; अक्सर हम न तो अपने कल्याण के लिए कार्य करते हैं और न ही एक समृद्ध समुदाय और ग्रह बनाने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करते हैं। इन कार्यों और हमारी गहरी मान्यताओं के बीच एक समन्वय की कमी है, जो टुकड़ों में प्रतिक्रियाओं की ओर ले जाती है। हमें अपनी मूलभूत मान्यताओं, जैसे कि देखभाल और गरिमा के साथ संरेखित होना चाहिए। ये गहरी मूल्य "सर्वव्यापी आंतरिक मूल्य" हैं, जो हर किसी पर, हर जगह लागू होती हैं, न कि केवल उनके लिए जो हमारे करीब हैं।

हमें कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नों का सामना करना पड़ता है और उन्हें पूछना आवश्यक है:

- प्रवासी श्रमिक, जो शहरों में हमारे घर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है, पर लॉकडाउन और समान योजनाओं की तैयारी की प्रक्रिया में सबसे कम ध्यान क्यों दिया गया?
- लॉकडाउन के समय में आपूर्ति जमा करने की प्रवृत्ति क्यों है, जबकि हम एक-दूसरे के साथ संसाधन साझा कर सकते हैं?
- क्यों विश्व की 1% आबादी वैश्विक संपत्ति का 44% हिस्सा रखती है? (क्रेडिट सुइस ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2019)
- क्यों हमारे देश - और दुनिया - को अन्याय, सामाजिक बहिष्कार, असमानताओं और विषमताओं से चुनौती मिलती रहती है?
- भारतीय अर्थव्यवस्था अब दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, फिर भी हर 30 मिनट में एक किसान आत्महत्या क्यों कर लेता है? मतभेदों और विविधता के प्रति बढ़ती असहिष्णुता क्यों है?

इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए हमें अतीत के बंटे हुए दृष्टिकोणों को छोड़ना होगा और नई सोच, कार्यप्रणाली, और व्यवहार अपनाना होगा, जो वर्तमान विकास अभ्यासों के सिद्धांतों और स्वभाव को मूल रूप से बदल सकें।

भारत में परोपकारी और कॉर्पोरेट सहभागिता बढ़ रही है, और इसका हमारी समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता है, खासकर पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन चुनौतियों को टिकाऊ उपायों के माध्यम से संबोधित करने के लिए। स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों (स्कूलों और कॉलेजों) में नेतृत्व को बदलना और विकसित करना एक कार्यात्मक अवसर है, जो भारत की जनसांख्यिकीय संरचना और युवा आबादी को देखते हुए, 'जिम्मेदार वैश्विक नागरिकता और विश्व के युवाओं' की नई पीढ़ी को तैयार कर सकता है। यह नागरिकों से यह अपेक्षा करता है कि वे न केवल महामारी का सामना करें, बल्कि अपने भीतर की क्षमता को पहचानें और ऐसे समाज का निर्माण करें जो स्वास्थ्य और कल्याण पर जोर देता हो।

कार्यक्रम का उद्देश्य

लीडरों और संगठनों को बढ़ावा देना जो अपनी पूरी क्षमता से नैतिक नेतृत्व के लिए स्रोत बनते हैं और सार्वभौमिक मूल्यों के आधार पर समस्याओं के समाधान के लिए प्रणालियों और सांस्कृतिक मानदंडों में बदलाव करके मानव और पर्यावरणीय कल्याण के लिए एक से ज्यादा सैद्धांतिक नज़रिया रखते हैं।

उद्देश्य

1. कार्यात्मक और नैतिक कार्यों के लिए अपनी रचनात्मकता और पूरी क्षमता का स्रोत बनना।
2. जीवन में अपने उद्देश्य को साकार करने और इसमें योगदान देने के लिए मनुष्य की क्षमता का पता लगाना, साथ ही अव्यवहारिक प्रणालियों को बदलकर परिणाम उत्पन्न करना।
3. अन्याय और असमानता की प्रणालियों को बदलने के लिए प्रणालि के प्रभावी-उपयोग और कार्यात्मक चालकों की पहचान करते समय पैटर्न सोच को प्रोत्साहित करना, समस्याओं को तालमेल के साथ हल करना।
4. बड़ी पहल के संदर्भ में प्रभावी कार्यान्वयन कार्यात्मकता का निर्माण करना ताकि परिणाम और सार्वभौमिक-प्रभाव उत्पन्न हो सके; और जानें कि क्रियाशील रहते हुए असफलताओं को सफलताओं में कैसे बदला जाए, खासकर महामारी से निपटने के लिए।
5. कार्यात्मक कार्यों और परिणामों को संरक्षित और तैयार करना ताकि समता और टिकाऊ परिवर्तन स्थापित किया जा सके। हमारे विचारों को त्वरित परिणामों और दीर्घकालिक एवं बड़े पैमाने पर स्थायी प्रभाव के लिए पैमाने पर लाने के लिए परिचालन कार्यात्मकता को डिजाइन करना।
6. प्रतिभागियों को परियोजनाओं के प्रबंधन से आगे बढ़कर रूपांतरकारी बदलाव का नेतृत्व करने और नैतिकता और सार्वभौमिक मूल्यों के आधार पर ठोस परिणाम देने के लिए सक्षम बनाना; नियमित गतिविधियों में परिवर्तन तकनीकों और कार्यप्रणालियों का अभ्यास करना। क्षेत्रों, मुद्दों, और क्षेत्रों में परिणाम-उन्मुख साझेदारियां बनाना, जो प्रत्येक परियोजना को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेंगी और सूक्ष्म और व्यापक स्तरों पर बड़े पैमाने पर सार्वभौमिक-प्रभाव और परिवर्तन सुनिश्चित करेंगी।
7. उन शक्तिहीन करने वाली और बहिष्कृत करने वाली प्रथाओं और 'वादों' की पहचान करना और उन्हें रोकना जो समाज और ग्रह के उत्थान की कार्यात्मकता और परियोजनाओं को सीमित करते हैं।
8. नैतिक कार्य और परिणामों के लिए अंतःविषय कार्यात्मकता का निर्माण करना जो तालमेलपूर्ण समाधानों के लिए समर्पित हों।

कार्यक्रम के बारे में

RTL एक परिवर्तनात्मक नेतृत्व कार्यक्रम है जिसे विश्वभर में सिद्ध किया गया है कि यह मौलिक बदलाव लाने में सक्षम है। यह एक अनोखा संपूर्ण प्रणाली परिवर्तन-उन्मुख, क्रियान्वयन के माध्यम से सीखने का कार्यक्रम है, जो हमें हमारे अस्तित्व के सार—हमारी गहरी मान्यताओं और वर्तमान विशेषज्ञता में स्थापित करता है। यह हमें एक से ज्यादा नजरियों को धारण करने में सक्षम बनाता है और सांस्कृतिक और प्रणाली-स्तर के परिवर्तनों के लिए डिज़ाइन करने में मार्गदर्शन करता है।



मॉडल

कार्यक्रम एक अनूठे प्रतिक्रिया मॉडल - जागरूकता पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रतिक्रिया (CFSR) मॉडल - का उपयोग करेगा, जो नई पीढ़ी की सोच का एक अत्याधुनिक मॉडल है और जिसे विश्वभर में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए सिद्ध किया गया है। इसे डॉ. मोनिका शर्मा (पुस्तक "Radical Transformational Leadership: Strategic Action for Change Agents" की लेखिका) द्वारा डिज़ाइन किया गया है। यह पुस्तक 35 वर्षों से भी अधिक समय तक लोगों के विकास के लिए विभिन्न तरीकों, ढांचे, और उपकरणों के उपयोग से प्राप्त ठोस परिणामों पर आधारित है, जो 60 से अधिक देशों में लागू किया गया है।

यह मेटा-फ्रेम एक साथ समय में समस्याओं को हल करने और मापने योग्य परिणाम उत्पन्न करने, अप्रभावी प्रणालियों और सांस्कृतिक मानदंडों को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो इन समस्याओं को बनाए रखते हैं, और व्यक्तियों की आंतरिक क्षमता, सार्वभौमिक मूल्यों और परिवर्तनकारी नेतृत्व से प्राप्त नए पैटर्न बनाते हैं। यह 'विकास' की पुनर्परिभाषा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें हमारे आंतरिक और बाहरी संसार, दोनों को व्यक्तियों और समूहों के रूप में शामिल किया गया है, ताकि हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनसे निपटने के लिए मानवीय और सांस्कृतिक क्षमताओं की व्यापक पहुँच का स्रोत बन सकें।

यह प्रतिमान बदलाव के तीन धागों को आपस में जोड़ता है: (a) कार्य के लिए हमारी आत्मज्ञान /आंतरिक क्षमता और सार्वभौमिक मूल्यों का स्रोत बनाना; (b) सांस्कृतिक मानदंडों, प्रणालियों और संरचनाओं को बदलना जो यथास्थिति को बनाए रखते हैं और सैद्धांतिक रूपांतरकारी लीडर बन जाते हैं; और (c) समस्याओं को हल करना ताकि विशिष्ट समता और टिकाऊ परिणाम उत्पन्न हो सकें।

जागरूकता पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रतिक्रिया मॉडल परिवर्तन के लिए एक आधारभूत विकास मॉडल है। यह एक अंतःविषय मॉडल और कार्यनीति कार्य के लिए ढांचा है और यह विभिन्न क्षेत्रों, विभिन्न विचारधाराओं के ढांचों को समेटने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत है। जागरूक पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रतिक्रिया मॉडल किसी भी क्षेत्र में लागू किया जा सकता है क्योंकि यह विषय-निर्पेक्ष है और यह बहु- नजरियों को एक साथ रखते हुए भी सैद्धांतिक कार्य और परिणाम उत्पन्न करने की क्षमता को प्रोत्साहित करता है। यह नई सोच और कार्य करने का तरीका आज के लीडर - सामाजिक और पर्यावरणीय अभ्यासकों, शिक्षकों, मीडिया और कानूनी पेशेवरों, कार्यकर्ताओं और परोपकारी व्यक्तियों, उद्यमियों और सरकारी प्रतिनिधियों/स्टाफ के लिए सिद्धांतों, उद्देश्य और अभ्यास के गहन संगम का अनुभव करने का एक नया मार्ग प्रदान करता है, जो पूरे मानवता के लिए ठोस परिणाम उत्पन्न करते हैं।

कार्यक्रम पारंपरिक सीमाओं को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें वर्तमान और उभरती परिवर्तन प्रक्रियाओं के सभी प्रासंगिक आयामों को समेटने वाले व्यापक दृष्टिकोणों का एक सेट प्रस्तुत किया गया है। यह नागरिकों और परिवर्तन के संरक्षकों/नेताओं को अपने स्वयं के परिवर्तनकारी प्रक्रिया को तेज करने की आवश्यकता रखता है। डिज़ाइन प्रतिभागियों से यह अपेक्षा करता है कि वे अपने प्रोजेक्ट्स को बनाएं जिन्हें वे महत्वपूर्ण मानते हैं और जिन्हें वे बदलना चाहते हैं, और बड़े पैमाने पर कार्य और नवाचार का अन्वेषण करें।

"हमने अब तक जिस स्तर की सोच के परिणामस्वरूप दुनिया बनाई है, वह ऐसी समस्याएं पैदा करती है जिन्हें हम उसी स्तर पर हल नहीं कर सकते हैं जिस पर हमने उन्हें बनाया है ...यदि मानव जाति को जीवित रहना है तो हमें वास्तव में एक नए तरीके की सोच की आवश्यकता है।"- अल्बर्ट आइंस्टीन

"गरीबी कोई दुर्घटना नहीं है। गुलामी और रंगभेद की तरह, यह भी मानव निर्मित है और इसे मानव के कार्यों द्वारा हटाया जा सकता है।" - नेल्सन मंडेला



कौन भाग ले सकता है?

कोई भी व्यक्ति और संगठन जो समानता, मानव एकता और सभी के लिए गरिमा की दिशा में कार्यरत है या समाज में सामाजिक और पर्यावरणीय कल्याण के लिए बदलाव लाने की इच्छा रखता है; शिक्षा/अकादमिक, कॉर्पोरेट, सरकार, नागरिक समाज, और संचार एवं मीडिया के क्षेत्र में कार्यरत संगठन और व्यक्ति भाग ले सकते हैं। किसी संगठन या टीम से एक से अधिक प्रतिभागियों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रतिभागियों के विचार

"मेरे लिए 2014 से स्टूवर्डशिप कार्यक्रम में भाग लेना मुझे एक मजबूत व्यक्ति बनने में मदद मिली है और मुझे यह साहस दिया है कि मैं न्याय और निष्पक्षता के लिए अपनी स्थिति और सिद्धांतों से बोल सकूँ, परिणामों और अपने भय की चिंता किए बिना। स्टूवर्डशिप कार्यक्रम में उपयोग किए गए विभिन्न उपकरणों ने मुझे अपने सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य परियोजना को पुनः डिज़ाइन करने में सक्षम बनाया है, जो अब अधिक समावेशी, टिकाऊ और बहु-हितधारकों को संलग्न करने वाला है।"

"RTL ने मुझे उस स्थान पर पहुंचाया जहां मैं खुद को खोज सकता हूँ, घर, कार्यस्थल और समाज में रोजमर्रा के कार्यों में जान ला सकता है। मैं खुद को रोजमर्रा के कार्यों में एक जुड़े हुए अस्तित्व के रूप में देखता हूँ। CFSR मॉडल और सभी उपकरणों ने मुझे इस बात पर स्थिर रहने में मदद की है कि मुझे जिसकी परवाह है, जटिलताओं का सामना करने के लिए बड़ी तस्वीर देखना और वास्तविकता में कार्य करना।"

"स्टीवर्डशिप कार्यक्रम ने मुझे उस ज़िम्मेदारी के प्रति जागृत किया कि मुझे दुनिया में परिवर्तन के एक एजेंट के रूप में अपनी पूरी क्षमता से उस चीज़ से जुड़ना है जिसकी मैं वास्तव में परवाह करता हूँ। इसने मुझे आज की दुनिया में स्पष्ट असमानता और ध्रुवीकरण का सामना करने, सभी के लिए समानता की बात करने वाले सार्वभौमिक मूल्यों में

खड़े होने का साहस दिया। कार्यक्रम ने मुझे अलग तरीके से डिज़ाइन करना सिखाया, हमेशा सार्वभौमिक मूल्यों को मुख्य तत्व के रूप में रखते हुए, जबकि उन मानदंडों और प्रणालियों को चुनौती देते हुए जो समस्याएं उत्पन्न करते हैं और उन्हें बनाए रखते हैं, और मूल्यों-आधारित समाधानों को डिज़ाइन और कार्यान्वित करते हैं जो किसी को भी बाहर नहीं छोड़ते हैं। मुझे लगता है कि मैं विकास और सतत सीखने के एक मार्ग पर चल रहा हूँ जो जीवनभर चलेगा।”

“मैं अपने और दूसरों के लिए समानता और समता के लिए खड़ा हूँ। स्टूवर्डशिप कार्यक्रम मुझे लगातार यह सोचने में मदद करता है कि मैंने क्या किया है और मैं क्या करने जा रहा हूँ, ईमानदारी के दृष्टिकोण का उपयोग करके और विनाशकारी क्रोध को साहसी हृदय प्रतिक्रिया में परिवर्तित करके। यह मुझे खुद से सवाल करने और समस्याओं को अवसरों के रूप में देखने की आवश्यकता महसूस कराता है। मैं उपकरणों और टेम्प्लेट्स का उपयोग करता हूँ ताकि मैं अपने आप को संरक्षित कर सकूँ, अपने आप को स्थिर कर सकूँ और एक मानव के रूप में संपूर्ण महसूस कर सकूँ।”

“एक प्रक्रिया जिसने मुझे यह देखने में मदद की है कि मैं परिवर्तन का एक एजेंट हूँ, यह एक उत्प्रेरक था जिसने मुझे उस परिवर्तन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया जिसे मैं देखना चाहता हूँ, इसने मेरे सपनों को विस्तारित और संरचित किया है और मुझे इन सपनों को सभी के लिए एक बेहतर जीवन के लिए प्रकट करने के लिए स्थान और उपकरण दिए हैं। यह एक सतत गहरा और रोजमर्रा का अभ्यास है।”

कार्यक्रम की तिथियाँ

- **सत्र 1:** 18-20 अक्टूबर 2024 (शुक्र-रविवार)
- **सत्र 2:** 14-16 नवंबर 2024 (गुरु-शनिवार)
- **सत्र 3:** 12-14 दिसंबर 2024 (गुरु-शनिवार)

समय: सुबह 9 बजे से शाम 5:30 बजे तक (भारतीय मानक समय)

कृपया ध्यान दें: सभी प्रतिभागियों को प्रत्येक कार्यक्रम के सभी दिनों और तीनों सत्रों में भाग लेने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। सत्र या किसी भी दिन की अनुपस्थिति के परिणामस्वरूप आगे के सत्र/दिन में भाग न लेना और कोर्स/कार्यशाला से बाहर हो जाना होगा। कार्यक्रम में 3 सत्रों की एक श्रृंखला शामिल है। नई क्षमताओं को बढ़ाने के लिए नए ढांचे और उपकरण प्रस्तुत किए जाते हैं; और मध्यवर्ती साप्ताहिक सत्रों में, हम इन शिक्षाओं और क्षमताओं को कार्यान्वित करते हैं। प्रतिभागी विभिन्न क्षेत्रों के अन्य लोगों के साथ काम करते हैं ताकि हम तालमेल में काम करने के लिए सामान्य भाषा और प्रथाओं का निर्माण कर सकें।

आवेदन करने के लिए

[क्लिक करें](#)

पंजीकरण शुल्क

- बेसिक शुल्क: जमीनी-स्तर (Grassroot) संगठनों और RTL स्टेज-1 के पूर्व छात्रों के लिए - ₹7800 (GST सहित)।
- अन्य संगठन और व्यक्ति - ₹31,860 (GST सहित)। यह ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए मानक शुल्क है। ऑनलाइन कार्यक्रम में स्थान, भोजन और अध्ययन/संसाधन सामग्री की हार्ड कॉपी की लागत शामिल नहीं है।

नोट:

- कार्यशाला शुल्क में अध्ययन/संसाधन सामग्री, भोजन (1 लंच, दिन में दो बार चाय और बिस्कुट) और स्थल शुल्क का योगदान शामिल है।
- यह एक प्रायोजित कार्यक्रम नहीं है, और हमें कार्यशाला के लिए कोई अनुदान/धन प्राप्त नहीं हुआ है।
- सभी सुविधा प्रदाता और संसाधन व्यक्ति निःशुल्क सेवा में काम कर रहे हैं और वे अपने यात्रा, रहने और ठहरने के खर्च स्वयं उठा रहे हैं।

- बेसिक शुल्क* को बिना लाभ-हानि के आधार पर तैयार किया गया है।
 - किसी भी सहायता के लिए कृपया ग्लासिका वर्मा (6260337629) या team@rtlworks.com पर हमसे संपर्क करने में संकोच न करें।
 - यदि आप किसी उम्मीदवार को प्रायोजित करना चाहते हैं या छात्रवृत्ति में योगदान देना चाहते हैं, तो कृपया ग्लासिका वर्मा (6260337629) या team@rtlworks.com पर संपर्क करें।
- RTL टीम (सिग्नल/व्हाट्सएप): +91 9869219901

महत्वपूर्ण तिथियाँ याद रखने के लिए

- 6 अक्टूबर 2024 : पंजीकरण की अंतिम तिथि
- 6 अक्टूबर 2024 : कार्यशाला शुल्क का भुगतान करने की अंतिम तिथि

बायोसकेचेस ऑफ द रिसोर्स पर्सन्स:

चित्रा आर. लक्ष्मण एक पेशेवर रूप से योग्य सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो पिछले पच्चीस वर्षों से मुंबई के एक शहरी झुग्गी में विकलांगता प्रबंधन और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही हैं। उनका काम विकलांगता वाले छात्रों को उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यावसायिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं में समर्थन प्रदान करना शामिल है। उनका दृष्टिकोण सामुदायिक आधारित पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया में परिवार को शामिल करना है। मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में उनका काम भेदभाव और मानसिक बीमारी से पीड़ित लोगों के बहिष्करण के कलंक को तोड़ने के उद्देश्य से है। यह सामुदायिक क्लिनिक चलाकर और मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व पर समुदाय को जागरूक करके किया जा रहा है। पिछले नौ वर्षों से RTL प्रैक्टिशनर होने के नाते, वह कहती हैं, "इसने मुझे अपने जीवन में उद्देश्य खोजने में मदद की है मेरे संवाद और क्रियाओं के माध्यम से। जब मैं आज कोई क्रिया करती हूँ, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो, यह गरिमा, समानता और करुणा पर आधारित होती है। मैं अपने रोज़मर्रा के कार्यों के प्रति अधिक सचेत हो गई हूँ" और मुझे घर, काम और समाज में परिणामों को उजागर होते हुए देखने को मिल रहा है।

ग्लासिका वर्मा एक सामाजिक कार्य परामर्शदाता हैं और RTL-Works ग्लासिका की सहायक समन्वयक हैं। वे मानवता, खुशी और आनंद की गहरी परवाह करती हैं। वर्तमान में, वे RTLWorks में कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं। वे RTL ग्लोबल मानसिक स्वास्थ्य समूह की सदस्य भी हैं। उन्होंने पहले इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और उसके बाद टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, गुवाहाटी से पेशेवर सामाजिक कार्य परामर्शदाता प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे एक RTL प्रैक्टिशनर कोच हैं और RTL उपकरणों और टेम्पलेट्स का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित हैं, जिनका वे स्कूल में कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अपने काम में उपयोग करती हैं। वे स्कूल के बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा (SEL) के क्षेत्र में भी काम करती हैं। वे हाशिए पर रहने वाले समुदायों के साथ मिलकर कल्याण और सहानुभूति को बढ़ावा देने का कार्य करती हैं।

सुदर्शन रोड्रिगज RTLWorks के सीईओ हैं और पर्यावरण विज्ञान, आपदा प्रबंधन और आजीविका में व्यापक विशेषज्ञता रखते हैं। वह एक प्रैक्टिशनर कोच हैं, जिन्हें कॉन्शियस फुल-स्पेक्ट्रम रिस्पांस मॉडल में प्रशिक्षण प्राप्त है, जो डॉ. मोनिका शर्मा द्वारा विकसित और बनाए गए सार्वभौमिक मूल्यों और नैतिकता पर आधारित एक ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप दृष्टिकोण है। उनकी ग्रह और मानव कल्याण के लिए काम करने की प्रेरणा और दुनिया भर में लोगों के विकास के लिए दृष्टिकोण उन्हें अन्य लोगों से अलग बनाता है।

श्रीलता जुव्वा एक सामाजिक कार्य शिक्षा विशेषज्ञ और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई में प्रोफेसर हैं। वह एक प्रैक्टिशनर कोच हैं, जिन्होंने डॉ. मोनिका शर्मा की रैडिकल ट्रांसफॉर्मेशनल लीडरशिप में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और इसका उपयोग उच्च शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य तथा विकलांगता के सेवा वितरण को बदलने के लिए करती हैं। वह इन उपकरणों और टेम्पलेट्स का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य और विकलांगता के अपमानजनक नैरेटिव को बदलने के लिए करती हैं, जिससे लोगों में गरिमा, पूर्ण क्षमता और नैतिक नेतृत्व को बढ़ावा मिलता है।

